श्री शत्रुंजय - मुक्ति सम्यग्ज्ञान अभ्यासक्रम

तृतीय वर्ष - अभ्यास - २

जुलाई - २०१९

गुणांक - १००

प्रश्न - पत्र

सूचना : १. नाम और एनरोलमेंट नंबर बिना का पेपर रद्द किया जायेगा । २. लाल स्याही के पेन का उपयोग न करें । ३. समझ में न आये ऐसे अक्षरों वाले जवाब पत्र जांचे नहीं जायेंगे । ४. जवाब पत्र में ही योग्य खाने में जवाब लिखना है, साथ में दूसरा पेपर जोडना नहीं है, जोडने पर तीन मार्क्स काट लिये जायेंगे । ५. जवाब पत्र हर महिने की ता. २५ तक भेजना जरुरी है, आगे-पीछे आए पेपर जांचे नही जायेंगे । ६. सभी जवाब अभ्यासक्रम के आधार पर ही लिखना है । ७. जिस महिने का प्रश्न पत्र है, उसके बाद के महिने की २५ ता. को आपके मार्क्स तथा सही उत्तर इन्टरनेट पर दे दिये जायेंगें, उसके बाद आए हुये उत्तर पत्र स्वीकृत नहीं होंगे तथा फोन पर जवाब नहीं दिया जायेगा । ८. उत्तर पत्र में अभ्यासक्रम का नंबर लिखना जरुरी है ।

प्रश्न नं. १ रिक्त स्थान की पूर्ति करो - २०

१. अनंत पुद्गल परावर्तन काल से यह जीव..... के कारण से संसार में भटक रहा है ।
२. छिपकली को खाने के लिये ..... तैयार था ।
३. चौबीस के चौबीस दंडको में शरीर की ..... अवगाहना अंगुल के असंख्यातवे भाग जितनी होती है ।
४. ऐसे क्रोधित ..... को भी नहीं गिनते ।
५. ऐसे .....चारित्र को आप कैसे बिगाडने तैयार हुए हो ।
६. जयणा पालन में परमात्मा के शासन में बतायी आहार विधि..... बनती है ।
७. जो जीव उभय भाव में होता है उसे ..... तीसरा भाव, मिश्रभाव होता है ।
८. लंबी सूंढ को उछालने से जिनका ..... वृध्दिपाया है ।
९. इतने जीवों को ..... हो ऐसा काम मेरे से कैसे हो सकता है ?
१०. उन्हें भाई की ..... खटकने लगी ।
११. मिथ्यात्व मोहनीय के उदय की गेरहाजरी में आत्मा का वह ..... गुण प्रगट होता है ।
१२. श्रीयक के विवाह प्रसंग पर राजा को भेंट देने मंत्री ने अपने घर उच्च कोटि के ..... तैयार करवाना प्रारंभ किया ।
१३. मिश्र गुणस्थान में रहा हुआ जीव ..... बांधता नहीं और मृत्यु को भी प्राप्त नहीं कर सकता ।
१४. परमात्मा के शासन की सूक्ष्मता..... एवं दीर्घदृष्टि उन्हें स्पर्श कर गई ।
१५. अनिवृतिकरण ..... की प्रक्रिया है ।
१६. सर्वत्र तिरस्कार पाये हुए वराह मिहिर ने ..... दीक्षा ली ।
१७. यह राजकरण एवं संसार ..... के लिये ही है ।
१८. तुम्हारे प्रभाव से जिसने ..... शत्रु राजाओ के समुह को जीता है ।
१९. श्री स्थूलभद्र अंतिम ..... मूल से हुए ।
२०. देवताओ के तेरह दंडक के बारे में ..... अवगाहना सात हाथ की होती है ।

प्रश्न नं. २ एक शब्द में जवाब लिखो - १५

१. सिंह ने किसके घात से गजेन्द्र के कुंभस्थल के विस्तार को विदारा है ?
२. किस दंडक में उत्कृष्ट अवगाहना पाँच सौ धनुष्य है ?
३. किनके हाथों आदिनाथ प्रभु का पारणा हुआ ?
४. घोडे और गधे के संयोग से जो उत्पन्न होता है उसे क्या कहते है ?
५. शहद जैसे पीले दो नेत्र वाले कौन है ?
६. प्रतिष्ठानपुर के राजा कौन थे ?
७. धर्मरुचि अणगार आयुष्य पूर्ण होते ही कहाँ उत्पन्न हुए ?
८. भद्रबाहु स्वामी ने स्थूलभद्रजी को बाकी चार पूर्व किस तरह दिये ?
९. सर्वज्ञभाषित सर्व भाव निश्चय "जैसे कहे हैं वैसे ही है" ऐसी विचारणा क्या है ?
१०. शास्त्रकारो ने छः काय के जीवों के पीयर की उपमा किसे दी है ?
११. स्थूलभद्र कैसा वेश धारण कर राज्यसभा में आये ?
१२. तेजस कार्मण शरीर की अवगाहना कितनी होती है ?
१३. अभव्य जीवों को क्या प्राप्त नहीं होता ?
१४. आदिनाथ प्रभु के समय में प्रजाजन किस बात से अन्जान थे ?
१५. उपर के दलिको की उदिरणा को क्या कहते हैं ?

प्रश्न नं. ३ नीचे दिये गये शब्दों के अर्थ लिखो - १०

१) साहविय २) मुय्यते ३) आसव ४) निज्जिय ५) असंख्यभाग ६) विमुक्तये ७) आभोअं ८) निवहा ९) अहिय १०) त्रयास्त्रिशत
११) मइंद १२) दीह १३) त्रितुर्ये १४) सयाइं १५) केवलं १६) खरयो १७) खग्ग १८) विअलिअ १९) हत्थ २०) दप्पुधर

प्रश्न नं. ४ जोडियाँ लगाओ (सिर्फ 'B' के नंबर लिखो) - १०

A	B	A	B
१) धर्मघोषसूरि	१) सात हाथ	६) देवता	६) हाथी के बच्चे
२) अकाम निर्जरा	२) दुष्काल	७) सुभटो	७) निबिड ग्रंथी
३) भाला	३) वैभारगिरि	८) दृष्टिवाद	८) सब्जी
४) नारक	४) मृत्यु	९) सयोगी गुणस्थान	९ वैक्रिय
५) धर्मरुचि मुनि	५) खीर	१०) स्थूलभद्र स्वामी	१०) यश

प्रश्न नं. ५ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संख्या में लिखो - १०

१. स्थूलभद्र स्वामी ने कितने दिन का अनसन किया ?
२. पार्श्वनाथ प्रभु के वचनों को शस्त्र जैसा किस गाथा में बताया है ?
३. बैलों को कितने प्रहर आहार पानी का अंतराय हुआ ?
४. अंतरकरण के समय मिथ्यात्व के दलियों के कितने पुंज होते हैं ?
५. वररुचि प्रतिदिन कितनी सोनामुहरे प्राप्त करने लगा ?
६. कितने कर्मो की स्थिति एक कोडाकोडी सागरोपम से कम करके जीव निबिड ग्रंथी के पास आता है ?
७. वसुदेव चरियं कितने श्लोक प्रमाण है ?
८. सम्यक्त्व प्राप्त किये जीव को कितने गुण होते है ?
९. धर्मरुचि अणगार कितने दिन के उपवास के पश्चात गोचरी को निकले थे ?
१०. मिश्र गुणस्थान में कितनी प्रकृति का बंध होता है ?

प्रश्न नं. ६ नीचे के वाक्य सही (✓) हैं या गलत (×) बताओ - १०

१. मिश्र गुणस्थानक परभव में जीव के साथ जाता है ।
२. साधु के धर्मलाभ देने पर तब लाईट, पंखे चालू हो तो बंद कर देना चाहिये ।
३. भद्रबाहुस्वामी कुमरगिरि पर अनशन करके स्वर्ग गये ।
४. पार्श्व प्रभु के नाम का कीर्तन करने से शत्रुभय शांत हो जाते हैं ।
५. स्थूलभद्रमुनि कोशा वेश्या के यहाँ गये और चारित्र भावना से पतित हुए ।
६. अभव्य जीवों को सिर्फ सम्यक्त्व होता है, पर वे व्रत पच्चखाण रहित होते हैं ।
७. व्यंतर पूर्वभव में भद्रबाहु स्वामी का भाई था ।
८. खीर की एक बुंद नीचे गिरने से मुनिराज कुछ भी वोहराये बिना घर से निकल गये ।
९. वायुकाय को पाँच शरीर होते है ।
१०. चौथे गुणस्थान की स्थिति छांसठ सागरोपम है ।

प्रश्न नं. ७ नीचे के वाक्य किस पृष्ठ पर है वह पृष्ठ नंबर लिखो - १०

१. जहाँ तक तीव्र राग द्वेष की गांठ-ग्रंथी है तबतक प्रथम यथाप्रवृतिकरण है ।
२. मुणिवई तुंग सम्मल्लिणा ।
३. ये जीव अविरति को खराब मानते हैं ।
४. आयुष्य पूर्ण होने पर सर्वार्थ सिद्ध देव लोक में गये ।
५. हमारे भाई मुनि कहाँ है ।
६. जैन धर्म पर द्वेष धारण कर उसकी निंदा करने लगे ।
७. उदयभाव कैसा होता है, वह दृष्टांत से बताते हैं ।
८. मुनिराज को ऐसा नहीं करना चाहिये था ।
९. तो फिर प्रश्न है कि "मिथ्यात्व जायेगा कैसे ?"
१०. आपका अहित चाहने वाले बाप को भी मार देना चाहिये ।

प्रश्न नं. ८ अपनी भाषा में समझाओ - १५

१. उत्तर वैक्रिय शरीर की अवगाहना समझाओ । २) पार्श्व प्रभु का प्रभाव ।
३. सम्यक दृष्टि के लक्षण ४) राजा द्वारा मंत्री पद स्वीकारने के कथन पर स्थूलभद्र की प्रतिक्रिया ।
५. अद्‌भुत ऐसी गोचरी की विधि ।

उत्तर पत्र नीचे लिखे पते पर भेजिए :

शत्रुंजय अेकेडमी श्री पद्मप्रभस्वामी जैन मंदिर, स्टेशन रोड, चालिसगाँव - ४२४१०१ जिल्हा : जलगांव,
मो. ९०२८२४२४८४. सही परिणाम और सही जवाब के लिये वेब साईट www.shatrunjayacademy.com